Dr. Purnima Singh
Department of Political Science
B.A part-1 Paper-1
Basic principles of political theory
Topic - Power, Authority, legitimacy (2)
Lecture - 36

सत्ता के विविध रूप
(Types of Authority)

जर्मन समाजवैज्ञानिक मैक्स वेबर (1864-1920) ने आधुनिक राज्य में सत्ता के तीन स्त्रोतों का संकेत दिया है, जिनके आधार पर सत्ता तीन प्रकार की मानी जाती है:

परंपरागत सत्ता (Traditional Authority):
इसमें शासन का अधिकार उस व्यक्ति या समूह के साथ जुड़ा होता है जो चिरकाल से उसका निरंतर प्रयोग कर रहा हो। दूसरे शब्दों में यहां यह माना जाता है कि जो व्यक्ति या वंश प्रचलित परंपरा के अनुसार देश में शासन करता रहा है, उसे ही शासन करने का अधिकार है, किसी और को नहीं। अतः वृद्धतंत्र (Gerontocracy) और राजवंशों का शासन इसी कोटि में आते हैं। वृद्धतंत्र ऐसी शासन-प्रणाली है जिसके अंतर्गत सारी सत्ता समुदाय के बड़े-बूढ़े लोगों के हाथों में रहती है, और वे परंपरा से इस सत्ता का प्रयोग करते हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत केवल बड़ी आयु को ही परंपरा से शासन के अधिकार का प्रमाण माना जाता है।

## करिश्माती सत्ता (Charismatic Authority)

यह सत्ता किसी राजनीतिक नेता के अनोखे व्यक्तित्व का परिणाम होती है। उदाहरण के लिए हिटलर ऐसा नेता था जिसके इशारे पर सारा जर्मनी सक्रिय हो जाता था। करिश्माती सत्ता के अन्य चर्चित उदाहरण हैं — सिकंदर महान, जुलियस सीजर, ऑलीवर क्रॉमवेल, महात्मा गाँधी। ~~जवाहरलाल नेहरू~~ और करिश्माती सत्ता ऐसे नेतृत्व के रूप में व्यक्त होती है जिसके अनुयायी (Followers) अपने नेता (Leader) के गुणों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, उसके एक इशारे पर भीड़ उमड़ पड़ती है, लोग बड़े-से बड़ा त्याग करने को भी तैयार हो जाते हैं। धर्म (Religion) और युद्ध (war) के क्षेत्रों में करिश्माती सत्ता विशेष रूप से सार्थक होती है।

## कानूनी - तर्कसंगत सत्ता (Legal-Rational Authority):

इसका स्रोत व्यक्ति का राजनीतिक पद (Political office) होता है, उसका अपना व्यक्तित्व नहीं। दूसरे शब्दों में यहां 'कुर्सी को सलाम' किया जाता है, अतः यह नहीं देखा जाता कि कुर्सी संभालने वाले की योग्यताएं क्या हैं, कुर्सी मिलने से पहले उसकी कोई सत्ता नहीं होती, कुर्सी से हट जाने के बाद भी उसकी कोई सत्ता नहीं रहती। आज एक व्यक्ति उस कुर्सी पर बैठा है, कल दूसरा - इससे कुर्सी की प्रतिष्ठा में कोई रत्ती - भर फर्क नहीं पड़ता।

जो जब कुर्सी पर बैठेगा, उसे सलाम किया जायगा। आधुनिक राज्य का अधिकारितंत्र (Bureaucracy) ऐसी सत्ता का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

वेबर ने यह स्वीकार किया है कि इनमें से किसी प्रकार की सत्ता शुद्ध रूप में देखने को नहीं मिलती। कहीं एक प्रकार की सत्ता प्रधान हो सकती है, कहीं दूसरे प्रकार की। परंतु उसके साथ-साथ उसमें दूसरे प्रकार की सत्ता का अंश जुड़ा मिले तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह संभव है कि दो व्यक्तियों की आधिकारिक स्थिति (official status) एक-जैसी रही हो, परंतु उनमें से एक अपने विलक्षण व्यक्तित्व के बल पर विस्तृत शक्ति का प्रयोग करे, और दूसरा अपने साधारण व्यक्तित्व के कारण उतना प्रभावशाली सिद्ध न हो।

## सत्ता का स्वरूप : वेबर का विश्लेषण
## (Weber's Analysis of Authority

सत्ता (Authority)
(आज्ञापालन कराने का अधिकार

- **परंपरागत (Traditional)** — (चिर-प्रचलित परंपरा पर आधारित, जैसे कि वंशपरंपरागत शासन)
- **करिश्माती (Charismatic)** — (नेतृत्व से जुड़े हुए असाधारण व्यक्तित्व पर आधारित जैसे कि लोकप्रिय अधिनायक का शासन
- **कानूनी-तर्कसंगत (Legal-Rational)** — (व्यक्ति के पद पर आधारित जिसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त किया गया हो, जैसे कि अधिकारितंत्र (Bureaucracy) का शासन